Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 05-08-2005

Participants : Mahajan Smt. Sumitra

>

Title : Need to check the activities of SIMI in the country.

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इन्दौर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं श्रमजीवी एक्सप्रैस, उत्तर प्रदेश में हुए बम विस्फोट की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी। उस घटना की जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि उस विस्फोट में आरडीएक्स की मात्रा भी पायी गयी है। इसके साथ-साथ किसी बड़े विस्फोट का इरादा भी जाहिर हुआ है। अगर हम इस घटना से पहले देखें, तो चार साल पहले फैजाबाद के निकट रोज़ा जंक्शन में, साबरमती एक्सप्रैस में भी इसी प्रकार का विस्फोट हुआ था। गोमती एक्सप्रैस में भी इसी प्रकार का बम विस्फोट हुआ था। इसमें कहीं न कहीं समान लिंकेज की बात लगती है। अब आतंकवाद को कुछ भी नाम दो, उसे मुस्लिम आतंकवाद कहें या कुछ और कहें लेकिन आतंकवाद की जड़ें अब सीमाओं से हटकर पूरे देश में फैलनी शुरू हो गयी है।

अगर हम देखें तो एनडीएफ करके एक संगठन केरल में है। उसका भी लिंक कहीं न कहीं आईएसआई से है, ऐसा अच्छे खासे अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट मे कहा है। अब केरल हो या उत्तर प्रदेश, हर जगह सीमी से जुड़े हुए विस्फोट हुए हैं। सीमी नाम के संगठन पर पहले बंदिश भी लगायी गयी थी। लेकिन अब ऐसा लगता है कि पूरे उत्तर प्रदेश में चाहे वह देवबंद, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर या कानपुर हो, वहां उनके प्रशिक्षण के शिविर हैं। ये सभी बातें स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा उजागर हुई हैं।

अध्यक्ष महोदय, मेरी चिंता दो प्रकार की है। एक यह है कि कहीं न कहीं राट्रद्रोह के कारण, आतंकवाद के कारण देश संकट में है। दूसरा, मेरी जैसी महिला को एक मां होने के नाते बुरा लगता है कि सीमी या बब्बर खालसा जैसे संगठन युवाओं को प्रोत्साहित करते हैं। …(व्यव)

*(Interruptions) … **

MR. SPEAKER: What are you doing? This will not be recorded.

*(Interruptions) …**

MR. SPEAKER: This is very very unfortunate.

*(Interruptions) … **

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

श्री अशोक प्रधान (खुर्जा) : इसमें आर.एस.एस. बीच में कहां से आ गई ?…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Ashok Pradhan, it is unfortunate. You are a senior Member and former Minister. I shall control them. Nothing will be recorded.

*(Interruptions) …**

श्रीमती सुमित्रा महाजन : अध्यक्ष जी, मैं पूरा कर रही हूं। मैं जो चिंता प्रकट कर रही हूं, वह यह है कि ये ऐसे संगठन हैं जो इस देश के युवाओं को कहीं न कहीं भड़काते हुए उनको गलत राह पर ले जाते हैं। इसमें पाकिस्तान का भी हाथ है। मैं सरकार से कहूंगी कि ऐसे संगठनो के साथ सख्ती से निपटे। कहीं ऐसा न हो कि 'पोटा' समाप्ति के बाद फिर से ये संगठन उभरने लगें, इस बात पर ध्यान दिया जए।

---

* Not Recorded.